

### Allocations for Housing Schemes

**1610. Shri E. Madhusudan Rao:** Will the Minister of Works, Housing and Supply be pleased to state the total amount given to each State for the Middle Income and Low Income Group Housing Schemes during the period 1961-62?

**The Minister of Works, Housing and Supply (Shri Mehr Chand Khanna):** A Statement is laid on the Table of the House. [See Appendix II, annexure No. 83A].

### Subsidised Industrial Housing Scheme in Andhra Pradesh

**1611. Shri E. Madhusudan Rao:** Will the Minister of Works, Housing and Supply be pleased to state:

(a) the total amount allocated to the Andhra Pradesh Government under subsidised Industrial Housing Scheme during the year 1961-62; and

(b) total amount utilised by each district of Andhra Pradesh?

**The Minister of Works, Housing and Supply (Shri Mehr Chand Khanna):** (a) Rs. 16.32 lakhs.

(b) The amounts disbursed by a State Government are against sanctioned individual housing projects and are not distributed districtwise.

### Licences for Industries

**1612. Shri Ulaka:** Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) the industries (both engineering and non-engineering) to which licences were granted during the year 1961-62;

(b) how many licences are proposed to be granted to industries under the Industries Development and Regulation Act in 1962-63; and

(c) the number of licences, if any, already granted to industries for the said period?

**The Minister of Industry in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Kanungo):** (a) and (c). A

statement showing the number of licences issued, industry-wise, under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, during 1961-62 and 1962-63 (up to 10-5-1962), is laid on the Table of the House. [See Appendix II, annexure No. 84].

(b) The total number of industrial licences to be issued during 1962-63 has not been pre-determined, as this would naturally depend upon various factors such as the number of applications, the capacities of the units applied for and the target capacity remaining to be licenced for each industry.

### नये ट्रांसमिटर

— श्री म० ला० द्विवेदी :  
१६१३ श्री स० च० सामन्त :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जिन १६ नये ट्रांसमिटर्स के लगाने का आयोजन किया गया है वे कितनी-कितनी शक्ति के हैं और किन-किन स्थानों पर लगाये जा रहे हैं ;

(ख) स्थानों के निर्णय करने के लिये कौन-कौन से व्यक्ति अथवा समिति जिम्मेदार हैं और स्थान के निश्चित करने के लिये क्या सिद्धांत हैं ;

(ग) ये ट्रांसमिटर किन-किन देशों से आयात किये गये हैं, इन पर कुल कितनी लागत आयेगी और क्या ये सब भारत पहुंच चुके हैं या कुछ आने बाकी हैं ;

(घ) यदि कुछ बाकी हैं तो कब तक आने की सम्भावना है ; और

(ङ) इनका काम कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री श्री शाम नाथ) : (क) एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। [देखिये परिशिष्ट २, अनुबन्ध संख्या ८५]

(ख) ट्रांसमीटरों के स्थानों का निर्णय सरकार ने आकाशवाणी के तकनीकी अफसरों द्वारा पेश की गई रिपोर्टों के आधार पर किया। स्थानों के चुनने के बारे में तकनीकी जरूरतों और इंटरनेशनल टेलिकम्यूनिकेशन्स यूनियन और देश के भीतर के इसी प्रकार के तकनीकी संगठनों द्वारा लगाई गई रोकथाम का मुख्य विचार रहा है।

(ग) (१) सिवाए एक २० किलोवाट शार्टवेव ट्रांसमीटर के जो संयुक्त राज्य अमरीका से खरीदा जा रहा है और सभी ट्रांसमीटरों के अधिकतर मुख्य उपकरण सर्वश्री भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बंगलौर से प्राप्त किये जा रहे हैं जो इनकी सप्लाई के लिये जापान के निर्माताओं के सहयोग से कार्य कर रहे हैं। मस्तूल (मास्ट) कुछ पश्चिमी जर्मनी से मंगाये जा रहे हैं और कुछ जापान से। ट्रांसमीटरों के अन्य सहायक उपकरण कुछ देशी और कुछ का आयात संयुक्त राज्य अमरीका संयुक्त राज्य, जापान और आस्ट्रेलिया से किया गया है।

(२) आर्डर दिये गये ट्रांसमीटरों के मुख्य उपकरणों पर खर्च का अनुमान लगभग ६६.२ लाख रुपये है और आर्डर दिये गये मदतूल तथा सहायक उपकरणों पर खर्च का अनुमान लगभग ५३.६२ लाख रुपये।

(३) २५ परियोजनाओं के लिये ट्रांसमीटरों के मुख्य उपकरण और मस्तूल जापान से आ चुके हैं। इन परियोजनाओं के सहायक उपकरण और बाकी के पूरे उपकरण आने वाले हैं।

(घ) आर्डर दिये गये उपकरणों में से एक परियोजना के मुख्य ट्रांसमीटर और मस्तूल के अगस्त १९६२ तक मिलने की आशा है और अन्य सत्रह के लगभग जून

१९६३ तक। इन परियोजनाओं के सहायक उपकरणों की १९६३ के शुरू में मिलने की आशा है। १०० किलोवाट मीडियम वेव के बाकी एक ट्रांसमीटर का आर्डर शीघ्र ही दिया जायेगा। इस के १९६३ के अखिर तक प्राप्त हो जाने की उम्मीद है।

(ङ) उम्मीद है कि ये ट्रांसमीटर क्रमशः अगले दो वर्ष में चालू हो जायेंगे।

#### Power-looms

1614. { Shri Rameshwar Tantia:  
Shri P. R. Chakraverti:

Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) the number of power-looms in the country;

(b) whether new licences are given for power-looms;

(c) if so, on what considerations; and

(d) the number of persons penalised in 1961 for setting up unauthorised power-looms?

The Minister of International Trade in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Manubhai Shah): (a) 82805 (25718 cotton and 57087 non-cotton).

(b) and (c). No, Sir, except for purpose of imparting vocational training

(d) No prosecutions were launched in 1961.

#### Unemployment in Uttar Pradesh

1615. Shri S. M. Banerjee: Will the Minister of Labour and Employment be pleased to state:

(a) whether unempolyment figures in U.P. have increased in 1961;

(b) if so, to what extent;

(c) the reasons therefor; and

(d) the steps taken by Government?

The Minister of Labour in the Ministry of Labour and Employment